सम्पादकीय

विश्वगुरुदीप आश्रम शोध संस्थान द्वारा प्रकाशित मासिक शोधपत्रिका का वर्ष 2023 का सप्तम अंक आपके करकमलों में अर्पित करते हुए अत्यधिक हर्ष का अनुभव हो रहा है। भारतीय धर्म-संस्कृति के शोधलेखों का यह संग्रह विद्वानों द्वारा सराहा जा रहा है। विद्वानों द्वारा नियमित भेजे जा रहे शोधलेख हमारा मनोबल बढ़ा रहे हैं व पत्रिका के महत्त्व को भी आलोकित कर रहे हैं। पूर्व अंकों में सभी उच्चस्तरीय विद्वानों के लेख प्रकाशित हुए हैं।

इसमें सर्वप्रथम महामण्डलेश्वर स्वामी महेश्वरानन्दपुरीजी द्वारा लिखित YOGA SUTRAS OF PATANJALI शोध लेख में पातंजलयोगसूत्र के प्रतिपाद्य की आधुनिक सन्दर्भ में उपयोगिता दर्शायी गयी है। तत्पश्चात् अन्या वुकादिन द्वारा लिखित Introduction to *Rasāyana* in *Carakasaṃhitā* and *Suśrutasaṃhitā* शोध लेख में चरक एवं सुश्रुत द्वारा प्रतिपादित रसायन विद्या की जानकारी प्रदान की गयी है। तत्पश्चात् श्री दीपनारायण महाप्रभुजी के 'भजन' को हिन्दी एवं अंग्रेजी व्याख्या सहित प्रस्तुत किया गया है। तत्पश्चात् डॉ. रामदेव साहू द्वारा लिखित 'रविवार एवं चौघड़िया मुहूर्त' शोधलेख में भारतीय कालगणानाधारित मुहूर्तपद्धति में प्रचलित चौघड़िया मुहूर्त की वैज्ञानिकता का प्रतिपादन करते हुए रविवार के चौघड़िया मुहूर्त्त की प्रतिपत्ति को दर्शाया गया है। अन्त में स्व. डॉ. नारायणशास्त्री काङ्कर के 'राष्ट्रोपनिषत्' के कतिपय पद्य प्रकाशित किये गये हैं, जो गुरुशिष्यपरम्परा के गौरव को प्रदर्शित करने के साथ साथ आत्मचिन्तन की प्रेरणा प्रदान करने वाले हैं।

आशा है, सुधी पाठक इन्हें रुचिपूर्वक हृदयंगम करने में अपना उत्साह पूर्ववत् बनाये रखेंगे।

शुभकामनाओं सहित....

-डॉ. सुरेन्द्र कुमार शर्मा